Roll No. : ..... Total Pages : 7

3381-R

B.A. (Third Year) Examination, 2017

HINDI LITERATURE

Paper – I

(काव्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड-अ)

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड-ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड-स)

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–A

(खण्ड-अ)

UNIT–I

(इकाई–I)

1. (i) 'सो दोस्त कबीरै कीन्ह'- कबीर ने किसे दोस्त बनाया है? यह दोस्त कैसा है?

(ii) 'जेहि अस पनिहारी सो रानी केहि रूप'- रानी कौन है? पनिहारी के रूप में उसके क्या गुण हैं?

UNIT–II

(इकाई–II)

(iii) सूरदास के इष्ट कौन हैं? सूरदास की भक्ति कैसी है?

(iv) 'रानी मैं जानी अजानी महा,

पबि पाहन हूते कठोर हियौ है ?'

यह कथन किसका है ? रानी कौन है ? यह पंक्ति किस काव्य से ली गयी है ?

UNIT–III

(इकाई–III)

(v) सुन्दरदास का जन्म कहाँ हुआ था ? वे किसके शिष्य थे ? सुन्दरदास का देहान्त कहाँ हुआ ?

(vi) मीराँ का सम्बन्ध किस भक्ति शाखा से है ? उनके काव्य के प्रमुख दो गुण क्या हैं ?

UNIT–IV

(इकाई–IV)

(vii) 'नहुष' काव्य के रचयिता का नाम क्या है? उनके दो खण्ड-काव्यों के नाम लिखिए।

(viii) 'नहुष' काव्य के कथन का आधार कौन-से ग्रंथ हैं?

UNIT–V

(इकाई–V)

(ix) निर्गुण काव्यधारा का अन्य नाम क्या है? दो निर्गुण कवियों के नाम लिखिए।

(x) शब्द शक्ति का क्या अर्थ है? शब्द शक्तियों के नाम लिखिए।

PART–B

(खण्ड-ब)

UNIT–I

(इकाई–I)

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अब तोहिं जाँन न दै हूँ राम पियारे,
ज्यूँ भावै त्यूँ होहू हमारे।
बहुत दिनन के बिछुरे हरि पाये,
भाग बड़े धरि बैठे पाये।।

चरननि लागि करौं बरिआई,

प्रेम प्रीति राखौं उरझाई।

इत मनि मन्दिर रहा नित चोखै,

कहै कबीर करहु मति धोखै।।

अथवा

साजा राज मन्दिर कैलासू। सोने कर सब धरति अकासू।।

सात खण्ड धौराहर साजा। उन्है सँवारि सकै अस राजा।।

हीरा ईंट, कपूर गिलावा। औ नग लाइ सरलै आवा।।

जावत सबै उरेह उरहे। भाँति-भाँति नग लाग उबेहे।।

भाव कटाव सद अनवत भाँति। चित्र कोरि कै पाँतिहि पाँती।।

UNIT–II

(इकाई–II)

3. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

रावरे दोषु न पायन को, पग धूरि को भूरि प्रभाव महा है।

पाहन तें बन-वाहन काठ को कोमल है, जलु खाइ रहा है।।

पावन पाय पखारि के नाव चढ़ाई हौं, आयसु होत कहा है।

तुलसी सुनि केवट के वर बैन हँसे प्रभु जानकी ओर हहा है।।

अथवा

धूरि भरे अति सोभित स्याम जू, तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी।
खेलत खात फिरै अँगना, पग पैंजनिया कटि पीरी कछोटी।।
वा छवि को रसखानि विलोकत, बारत काम कला निज कोटी।
काग के भाग बड़े सजनी, हरि हाथ सौं लै गयो माखन-रोटी।।

UNIT–III

(इकाई–III)

4. संत सुन्दरदास की भक्ति-भावना पर निबंध लिखिए।

अथवा

मीराँ के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

UNIT–IV

(इकाई–IV)

5. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

शक्ति से जो साध्य होगा, साधेगी उसे शची,
किन्तु क्या विवेक बुद्धि आज उसमें बची ?
कोई भी दिखा दे मार्ग ; गति मैं दिखाऊँगी,
चल गुरु-शरण अभी मैं सखि जाऊँगी।

अथवा

पायेंगे प्रयास बिना लोग खाने-पीने को,
फिर क्यों बहायेंगे वे श्रम के पसीने को ?
होंगे अकर्मण्य, उन्हें क्या-क्या नहीं सूझेगा ?
कोई कुछ न मानेगा न जानेगा न बूझेगा !

UNIT–V

(इकाई–V)

6. सूफी काव्य की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

व्यंजना शक्ति की परिभाषा सोदाहरण दीजिए। व्यंजना शक्ति का काव्य में क्या महत्त्व है?

PART–C

(खण्ड-स)

UNIT–I

(इकाई–I)

7. सूरदास की काव्यगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

UNIT–II

(इकाई–II)

8. मीरा के काव्य में व्यक्त भक्ति भावना की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

UNIT–III

(इकाई–III)

9. 'ढोला मारू रा दूहा' काव्य की विशेषताओं पर विवेचनात्मक निबंध लिखिए।

UNIT–IV

(इकाई–IV)

10. मैथिलीशरण गुप्त के 'नहुष' के खण्ड काव्यत्व पर समीक्षात्मक निबंध लिखिए।

UNIT–V

(इकाई–V)

11. रसखान की भक्ति-भावना को स्पष्ट करते हुए उनके काव्य-सौंन्दर्य की विवेचना कीजिए।